

न्यायालय : गोपेश गर्ग, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी,
गोहद जिला भिण्ड, मध्यप्रदेश

प्रकरण क्रमांक : 783 / 2006

संस्थापन दिनांक 29.10.2005

म.प्र.राज्य द्वारा पुलिस थाना गोहद जिला भिण्ड म.प्र.

— अभियोजन

बनाम

1-भूरेसिंह पुत्र नारायणसिंह उम्र 30 साल निवासी ग्राम
पिपरौली थाना गोहद जिला भिण्ड म.प्र.

— अभियुक्त

निर्णय

(आज दिनांक.....को घोषित)

- 1 उपरोक्त अभियुक्त के विरुद्ध धारा 25(1-बी)(ए) आयुध अधिनियम के अधीन दण्डनीय अपराध का आरोप है कि उसने दिनांक 19.09.05 को 17:50 बजे ऐंचाया रोड बालाजी मंदिर के सामने गोहद जिला भिण्ड पर अपने ज्ञानपूर्ण आधिपत्य में बिना वैध अनुज्ञा के आयुध 315 बोर का देशी कट्टा मय राउण्ड अपने आधिपत्य में रखा।
- 2 अभियोजन का मामला संक्षेप में यह है कि दिनांक 19.09.05 को फरियादी विश्रामसिंह अ0सा05 हमराह प्र0आरक्षक राजहंस अ0सा02 व आरक्षक दीनानाथ के साथ कस्बा भ्रमण पर थाना गोहद के प्र0आरक्षक गश्ती के पद पर पदस्थ रहते हुए गया था गश्त के दौरान उसे मुखबिर से सूचना मिली कि ऐंचाया रोड बालाजी मंदिर के सामने पिपरौली गांव का आरोपी भूरा आयुध लिए वारदात करने की नीयत से खड़ा है हमराह फोर्स के साथ वह मुखबिर की सूचना की तस्दीक करने हेतु बालाजी मंदिर के पास पहुंचा जहां पुलिस को देखकर आरोपी भूरा भागा आरोपी को मोटरसाइकिल से पीछा कर घेरकर पकड़ा और साक्षी रहीम अ0सा01 व उदयसिंह (मृत) के सामने तलाश किया तो उसकी कमर में बांयी तरफ 315 बोर का कट्टा मिला तलाशी लेने पर पैन्ट की दाहिनी जेब में एक जिंदा राउण्ड मिला आयुध रखने का लाइसेन्स मांगने पर आरोपी ने लाइसेन्स न होना बताया। तब समक्ष गवाहन कट्टा व राउण्ड को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। जप्ती पत्रक प्र0पी-1 व गिरफ्तारी पत्रक प्र0पी-2 बनाया

गया। थाना वापिसी पर एफ.आई.आर. प्र०पी-6 के अनुसार अप०क्र० 261/05 पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया। आयुध का परीक्षण कराकर अभियोजन स्वीकृति प्राप्त की गयी। संपूर्ण विवेचना उपरांत आरोपी के विरुद्ध प्रथम दृष्टया मामला बनना प्रकट होने से अभियोग पत्र विचारण हेतु न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

3 आरोपी ने आरोप पत्र अस्वीकार कर विचारण का दावा किया है और आरोपी की प्रतिरक्षा है कि उसे प्रकरण में झूठा फंसाया गया है बचाव में किसी साक्षी को परीक्षित नहीं कराया गया है।

4 प्रकरण के निराकरण हेतु निम्न विचारणीय प्रश्न हैं कि क्या अभियुक्त ने दिनांक 19.09.05 को 17:50 बजे ऐंचाया रोड बालाजी मंदिर के सामने गोहद जिला भिण्ड पर अपने ज्ञानपूर्ण आधिपत्य में बिना वैध अनुज्ञा के आयुध 315 बोर का देशी कट्टा मय राउण्ड अपने आधिपत्य में रखा ?

// विचारणीय प्रश्न पर सकारण निष्कर्ष //

5 साक्षी विश्रामसिंह अ०सा००५ का कथन है कि वह दिनांक 19.09.05 को थाना गोहद में प्र०आरक्षक के पद पर पदस्थ था। उक्त दिनांक को कस्बा भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बालाजी मंदिर के पास ऐंचाया रोड पर कट्टा लिए कोई वारदात करने की नीयत से खड़ा है। मय फोर्स एच.सी. राजहंस अ०सा००२, आर० दीनानाथ, के बालाजी मंदिर के पास ऐंचाया रोड पर पहुंचा तो एक व्यक्ति पुलिस को देखकर रोड के किनारे-किनारे तेजी से चलने लगा जिसे मोटरसाइकिल की मदद से घेरकर पकड़ा तथा नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम भूरे पवैया पुत्र नारायणसिंह पवैया निवासी पिपरौली का होना बताया। जिसकी तलाशी ली तो उसकी सामने पैन्ट में 315 बोर का कट्टा व पैन्ट की दाहिनी जेब में एक 315बोर का राउण्ड मिला लाइसेन्स के बारे में पूछा तो न होना बताया। मौके पर पंचान रहीम खां अ०सा००१ एवं उदलसिंह के समक्ष जप्ती पंचनामा प्र०पी-1 बनाया जिसके बी से बी भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं तथा आरोपी को गिरफ्तार कर गिरफ्तारी पत्रक प्र०पी-2 बनाया जिसके बी से बी भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर मय माल थाने पर लाया गया जहां उसके द्वारा अप०क्र० 261/05 की एफआईआर प्र०पी-6 कायम की गयी थी जिसके ए से ए भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। प्रकरण की विवेचना में उसके द्वारा साक्षी रहीम अ०सा००१ व उदलसिंह के कथन उनके बताये अनुसार लिखे थे अपनी तरफ से कुछ घटाया बढ़ाया नहीं था। अग्रिम विवेचना प्र०आरक्षक राजहंस अ०सा००२ को सुपुर्द कर दी थी।

6 साक्षी राजहंससिंह अ०सा००२ का कथन है कि वह दिनांक 19.09.05 को थाना गोहद में प्र०आरक्षक के पद पर पदस्थ था। उक्त दिनांक को वह प्र०आरक्षक विश्रामसिंह अ०सा००५, आरक्षक दीनानाथ के साथ कस्बा गोहद की गश्त पर गया था। उक्त दिनांक को शाम 5:00 बजे के बाद ऐंचाया रोड पर मुखबिर से सूचना मिली कि ऐंचाया रोड पर करीब 2 फलांग की दूरी पर बालाजी मंदिर के सामने भूरा पवैया अपने पास कमर में एक देशी हाथ का बना कट्टा छिपाकर किसी वारदात करने की नीयत से खड़ा है। मुखबिर की सूचना पर हमराह एच.सी. विश्रामसिंह व दीनानाथ के बालाजी मंदिर पर पहुंचा तो आरोपी पुलिस को देखकर

रोड की तरफ भागा जिसका मोटरसाइकिल से पीछा किया और उसे पकड़कर साक्षी रहीस खां अ0सा01 एवं उदयसिंह माहौर के समक्ष तलाशी लेने पर कमर के बांये तरफ एक 315 बोर का कट्टा तथा दाहिने तरफ पैन्ट की जेब में एक जिंदा कारतूस मिला। विश्रामसिंह अ0सा05 व उसने कट्टा व कारतूस के संबंध में लाइसेन्स की पूछताछ की तो लाइसेन्स न होना बताया। आरोपी को गिरफ्तार कर थाने लाकर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। अंतिम पूर्ण विवेचना हेतु केस डायरी उसे सौंपी गयी थी जिसमें उसके द्वारा जिला दण्डाधिकारी कार्यालय भिण्ड से अभियोजन स्वीकृति प्र0पी-4 ली गयी।

- 7 रहीम अ0सा01 ने कथन किया है कि उसे घटना की जानकारी नहीं है उसके समक्ष पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। जप्ती पत्रक प्र0पी-1 व गिरफ्तारी पत्रक प्र0पी-2 के ए से ए भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। अभियोजन द्वारा साक्षी को पक्षविरोधी घोषित कर सूचक प्रश्न पूछे जाने पर इस साक्षी ने इंकार किया है कि आरोपी भूरेसिंह से उसके समक्ष कट्टा व राउण्ड जप्त किया गया था। और इस आशय के तथ्य उल्लिखित होने पर भी ध्यान आकर्षित कराये जाने पर कथन अंतर्गत धारा 161 दप्रस प्र0पी-3 में भी दिए जाने से इंकार किया है। अतः स्वतंत्र साक्षी रहीम अ0सा01 ने अभियोजन मामले का समर्थन नहीं किया है। अन्य अभिलिखित स्वतंत्र साक्षी उदयसिंह की मृत्यु होने के परिणामस्वरूप अभियोजन उसे साक्ष्य में परीक्षित कराने में असमर्थ रहा है।

- 8 साक्षी बृजराजसिंह चौहान अ0सा04 का कथन है कि वह दिनांक 25.09.05 को पुलिस लाइन भिण्ड में प्र0आरक्षक आर्म्स के पद पर पदस्थ था। उक्त दिनांक को थाना गोहद के अप0क्र0 261/05 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट में जप्त 315 बोर देशी कट्टा व एक राउण्ड 315 बोर फैंक्टी मेड की जांच उसके द्वारा की गयी थी। जांच में 315 बोर देशी कट्टा की संपूर्ण लंबाई 10 इंच बैरल की लंबाई 6 इंच बट ग्रिप लकड़ी का लगा है। एक्शन पार्ट्स कैच व ट्रिगर व हैम्बर लगा है फायरिंग पिन हैम्बर के साथ ज्वाइंट है। एक्शन चैक करने पर सही पाया गया। तथा कट्टा चालू हालत में था तथा एक राउण्ड 315 बोर का फैंक्टी मेड जिसकी पेंदी पर अंग्रेजी में 8एम.एम.के.एफ. लिखा था उक्त राउण्ड जिंदा व चालू हालत में था। कट्टा व राउण्ड कपड़े में सिले हुए प्राप्त हुए थे तथा बाद जांच सिले हुए ही वापिस किए गए। उक्त जप्तशुदा आयुध अप0क्र0 261/05 थाना गोहद को वापिस किया गया। उसके द्वारा तैयार जांच रिपोर्ट प्र0पी-5 है जिसके ए से ए भाग पर मेरे हस्ताक्षर हैं।

- 9 साक्षी योगेन्द्रसिंह कुशवाह अ0सा03 का कथन है कि वह दिनांक 10.10.15 को जिला दण्डाधिकारी भिण्ड के कार्यालय में आर्म्स लिपिक के पद पर पदस्थ था। उक्त दिनांक को पुलिस अधीक्षक भिण्ड के पत्र क्रमांक 776/05 दिनांक 27.09.05 द्वारा थाना गोहद के अप0क्र0 261/05 से संबंधित केस डायरी एवं शस्त्र सीलबंद प्र0आरक्षक राजहंससिंह अ0सा02 द्वारा प्रस्तुत किए जाने पर अवलोकन पश्चात् जिला दण्डाधिकारी श्रीमती सुधा चौधरी द्वारा अभियुक्त भूरेसिंह पुत्र नारायणसिंह के कब्जे से एक 315 बोर का कट्टा मय एक जिंदा राउण्ड अवैध रूप से पाये जाने के कारण अभियोजन चलाये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी। उक्त अभियोजन स्वीकृति प्र0पी-4 है जिसके ए से ए भाग पर तत्कालीन जिला दण्डाधिकारी श्रीमती सुधा चौधरी के हस्ताक्षर हैं।

- 10 प्रकरण में स्वतंत्र साक्षी रहीम अ0सा01 ने अभियोजन मामले का समर्थन

नहीं किया है और आरोपी से आयुध जप्त होने के तथ्य से इंकार किया है। अन्य स्वतंत्र साक्षी उदयसिंह की मृत्यु होने से अभियोजन उसे साक्ष्य में प्रस्तुत नहीं कर सका है। अतः प्रत्यक्ष साक्षी के रूप में पुलिस साक्षी राजहंस अ0सा02 और बृजराज अ0सा04 के ही कथन अभिलेख पर हैं।

- 11 राजहंस अ0सा02 ने पैरा 3 में बताया है कि आयुध को कपड़े में सीलबंद किया था और स्वीकार किया है कि जप्ती पंचनामा प्र0पी-1 पर नमूना सील नहीं है और कथन किया है कि वह नमूना सील भी नहीं लगाते। विश्रामसिंह अ0सा05 ने पैरा 4 में कथन किया है कि उन्होंने कट्टे को मौके पर सील किया था परन्तु जप्ती पत्रक प्र0पी-1 पर नमूना सील नहीं लगी है इसका वह कारण नहीं बता सकता है। बृजराजसिंह अ0सा04 ने पैरा 2 में स्पष्ट कथन किया है कि उसे कट्टा कपड़े में सिला हुआ प्राप्त हुआ था जिस पर कोई सील नहीं लगी थी। अतः जबकि राजहंस अ0सा02 व विश्रामसिंह अ0सा05 कट्टे को सीलबंद करना बता रहे हैं तब बृजराजसिंह अ0सा04 ने जिस कट्टे का परीक्षण किया है वह सीलबंद नहीं है तब यह समाधान नहीं होता है कि जिस कट्टे को आरोपी से प्राप्त किया गया था वही कट्टा परीक्षण के लिए भेजा गया था। अतः जप्त कट्टा व राउण्ड ही आयुध की श्रेणी में आना विश्वसनीय रूप से स्पष्ट नहीं होता है अपितु आरोपी से प्राप्त वस्तु के अलावा अन्य वस्तु परीक्षण के लिए भेजा जाना सिद्ध होती है और दूसरी वस्तु परीक्षण के लिए भेजा जाना अभियोजन मामले में महत्वपूर्ण संदेह उत्पन्न करती है। बृजराज अ0सा04 के कथन पर इसलिए विश्वास किया जा सकता है कि क्योंकि जप्ती पत्रक प्र0पी-1 पर अकारण नमूना सील अंकित नहीं है जिससे सीलबंद किए जाने के संबंध में राजहंस अ0सा02 व बृजराज अ0सा05 द्वारा दिए कथन की विश्वसनीयता विपरीत रूप से प्रभावित होती है।
- 12 विश्रामसिंह अ0सा05 ने पैरा 2 में कथन किया है कि उनमें रोजनामचे में रवानगी वापसी डाली थी। राजहंस ने भी पैरा 2 में उक्त तथ्य को स्वीकार किया है लेकिन साक्ष्य में ग्राह्य योग्य रोजनामचे की प्रति अभियोजन द्वारा पेश नहीं की गयी है। अतः घटनास्थल पर उक्त दोनों साक्षीगण की उपस्थिति प्रमाणित करने के लिए सहायक साक्ष्य में ग्राह्य योग्य दस्तावेज अभियोजन द्वारा पेश नहीं किया गया है।
- 13 राजहंस अ0सा02 ने पैरा 4 में कथन किया है जिस कट्टे को आरोपी से जप्त किया था उस पर लकड़ी का बेंट लगा था लेकिन जप्ती पत्रक प्र0पी-1 पर स्पष्ट उल्लेख है कि कट्टे में लोहे की बेंटी लगी है। इस विरोधाभास पर ध्यान आकर्षित कराये जाने पर भी राजहंस अ0सा03 ने इंकार किया है कि कट्टे में लकड़ी की बेंट नहीं लगी थी। अतः राजहंस अ0सा02 ने जप्ती पत्रक प्र0पी-1 से भिन्न कट्टे का स्वरूप बताया है। जप्ती पत्रक प्र0पी-1 में राउण्ड पर 9एमएमकेएफ अंकित होना उल्लिखित है लेकिन इस संबंध में विश्राम अ0सा05 ने भी पैरा 4 में बताया है कि राउण्ड के पेंदे पर 8एमएम लिखा हुआ था। अतः स्वयं जप्तीकर्ता विश्रामसिंह अ0सा05 ने भी आयुध राउण्ड का जप्ती पत्रक प्र0पी-1 से भिन्न स्वरूप बताया है जबकि स्वयं उक्त साक्षी ने ही जप्ती पत्रक प्र0पी-1 लिखा है।
- 14 अतः स्वतंत्र साक्ष्य संपुष्टि के अभाव में पुलिस साक्षीगण राजहंस अ0सा02, व विश्रामसिंह अ0सा05 ने आयुध के स्वरूप के संबंध में जप्ती पत्रक प्र0पी-1 से भिन्न साक्ष्य दी है जबकि वह दोनों पुलिस साक्षीगण हैं और उन्हीं के

समक्ष व उन्हीं के द्वारा दस्तावेज बनाये गये हैं। उक्त दोनों साक्षीगण द्वारा कट्टे को सीलबंद किया जाकर परीक्षण हेतु भेजा जाना भी विश्वसनीय रूप से साबित नहीं किया गया है। अपितु बृजराजसिंह अ0सा04 के कथन से परीक्षण हेतु प्रेषित आयुध आरोपी से जप्त आयुध से भिन्न प्रेषित किया जाना स्पष्ट हुआ है। उक्त संपूर्ण तथ्य अभियोजन मामले में महत्वपूर्ण संदेह उत्पन्न करते हैं जिसके परिणामस्वरूप प्रत्यक्ष साक्षी के रूप में उक्त दोनों साक्षीगण रघुराज अ0सा02 व विश्राम अ0सा05 के कथन पर भी निर्भर नहीं रहा जा सकता है।

- 15 अतः उपरोक्त साक्ष्य की विवेचना से अभियोजन अपना मामला युक्तियुक्त संदेह के परे साबित करने में असफल रहता है और यह युक्तियुक्त संदेह के परे सिद्ध नहीं होता है कि आरोपी ने दिनांक 19.09.05 को 17:50 बजे ऐंचाया रोड बालाजी मंदिर के सामने गोहद जिला भिण्ड पर अपने ज्ञानपूर्ण आधिपत्य में बिना वैध अनुज्ञा के आयुध 315 बोर का देशी कट्टा मय राउण्ड अपने आधिपत्य में रखा।
- 16 परिणामतः आरोपी को धारा 25(1-बी)(ए) आयुध अधिनियम के आरोप से दोषमुक्त घोषित किया जाता है।
- 17 आरोपी के जमानत व मुचलके भारमुक्त किए जाते हैं।
- 18 प्रकरण में जप्त कट्टा व चार राउंड निराकरण हेतु जिला दंडाधिकारी भिण्ड को भेजा जा चुका है। अपील होने की दशा में अपील न्यायालय के आदेश का पालन किया जावे।

दिनांक :-

सही / -

(गोपेश गर्ग)

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
गोहद जिला भिण्ड म0प्र0

सामान्य जानकारी हेतु प्रारित
(शासकीय / विधिक उपयोग हेतु)